'चैतन्य देवियों की झाँकी' नारी के सशक्तिकरण में सराहनीय कदम - मुख्यमंत्री

भोपाल-म.प्र.। नवरात्रि के पावन पर्व पर शहर में ब्रह्माकुमारी संस्थान के द्वारा विभिन्न जगहों पर तथा मंदिर के प्रांगण में चैतन्य देवियों की झाँकी के पंडाल लगाये गये।

झाँकी के अवलोकन पश्चात् माननीय मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को ईश्वरीय स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए ब्रह्माकुमारी बहन।

जिसमें से ब्रह्माकुमारी संस्थान के शाका रिवेरा टाउनशिप सेवाकेन्द्र द्वारा प्लैटिनम प्लाज़ा, माता मंदिर पर आयोजित भव्य एवं अद्भुत 'चैतन्य देवियों की झाँकी' कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती साधना सिंह चौहान ने शिरकत की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने संस्था को बधाई देते हुए कहा कि चैतन्य देवियों की झाँकी के माध्यम से समाज में नारी के उत्थान व सशक्तिकरण के लिए ब्रह्माकुमारीज़ सराहनी कार्य कर रही है। राजयोगिनी ब्र.कु. मंजू ने कहा कि नवरात्रि की यह झाँकियां भी इसीलिए सजाई जाती हैं, कि हर नर-नारी स्वयं के अंदर झाँक कर देख सके कि क्या मैं देवी माँ का बेटा या बेटी कहलाने योग्य कर्म कर रहा हूँ? यदि नहीं तो मुझे अपने जीवन को आध्यात्मिक मूल्यों के आधार से ऐसा बनाना होगा कि श्रेष्ठ कर्मों से श्रेष्ठ जीवन का निर्माण हो। ब्र.कु. तृष्णा ने बताया कि मनुष्य की सबसे बड़ी भूल यही है कि वह खुद को नाम रूप या फिर मिट्टी में मिल जाने वाला शरीर समझता है, जबकि वास्तव में हम यह शरीर नहीं बल्कि इस शरीर रूपी रथ का इस्तेमाल करने वाले रथी हैं, आत्मा हैं। सेंट्रल बैंक के वरिष्ठ मैनेजर सुनील सोंहिया ने इन कन्याओं की देवी रूप में आरती के पश्चात् कहा कि इस समय मुझे इन चैतन्य देवियों के माध्यम से परमात्मा अपना अनुभव करा रहे हैं। मैं स्वयं को ईश्वर के बहुत ही करीब महसूस कर रहा हूँ। मैं धन्य हो गया हूँ। निश्चित ही यह ईश्वरीय कार्य है, और सम्पूर्ण पवित्रता के कारण ही ऐसा अनुभव होना संभव हुआ है। कार्यक्रम में आये सभी जिज्ञासुओं ने नि:शुल्क सिखाये जाने वाले राजयोग कोर्स को करने का संकल्प भी लिया। प्रतिदिन झाँकी में गीतों के मध्यम से ईश्वरीय सन्देश दिया गया। सभी आगंतुक श्रद्धालू इन देवियों के दर्शन से भाव विभोर हुए।

राजयोग सुख शांति का पासवर्ड

देहरादून। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा मुख्य शाखा सुभाष नगर के सभागार में संस्था की 80वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित 'राजयोग द्वारा सुख-शान्ति' विषयक कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि राज्यपाल डॉ के.के.पाल ने कहा कि जिनके पास खुशी है, उनके पास सबकुछ है। खुशी मिलती है हमारे गुणों द्वारा। जिस व्यक्ति के अन्दर जितने अधिक दिव्य गुण होंगे उतना वह खुश रह सकता है, क्योंकि खुशी हमारे अन्दर छिपी हुई है। भारतीय संस्कृति सबसे पुरानी संस्कृति है। और संस्कृतियाँ आईं और विलुप्त हो गईं। भारतीय संस्कृति आज भी है और आगे भी रहेगी। हाँ इतना ज़रूर है कि नैतिक मूल्यों के पतन के कारण इस भारतीय संस्कृति के मनुष्य सुख-शान्ति की जगह दु:ख-अशान्ति की अनुभूति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कर्मों से ही मनुष्य का चरित्र बनता है। चरित्र निर्माण में ब्रह्माकुमारी संस्था का महत्वपूर्ण योगदान है। मैं ब्रह्माकुमारी संस्था के सुन्दर भविष्य की कामना करता हूँ। चण्डीगढ़ से आये राजयोगी ब्र.कु. अमीरचन्द ने संस्थान द्वारा 80वर्षों से चल रही ईश्वरीय सेवाओं से सभी को अवगत कराया और कहा कि लाखों लोगों ने इस ईश्वरीय शिक्षाओं के माध्यम से अपने जीवन को श्रेष्ठ बनाया है और बना रहे हैं। राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी आशा दीदी ने कहा कि मनुष्य यह तो समझ चुका है कि चीज़ों में चिर-स्थाई मानसिक सुख नहीं है। मनुष्य अपने जीवन में सुख-शान्ति की चाहना रखता है। परन्तु उसे इसकी गहराई का बोध अथवा अनुभव नहीं है, क्योंकि सुख-शान्ति तो मनुष्य के अपने निजी ख. जाने हैं। आवश्यक्ता है राजयोग के अभ्यास द्वारा उनको सुजाग करने की। ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा सिखाये जाने वाला योग सुख-शान्ति का पासवर्ड है।

कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए राज्यपाल डॉ के.के. पाल। मंचासीन हैं ब्र.कु सुशील, ब्र.कु. आशा दीदी, ब्र.कु. अमीरचन्द तथा ब्र.कु. मंजू ।

स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी मंजू दीदी ने सभी का आभार व्यक्त किया। मंच का संचालन ब्रह्माकुमार सुशील ने किया। इस अवसर पर शहर के गणमान्य लोग अमरनाथ गोंदवाल, जे.एस.रावत, सुरेन्द्र बिश्ठ, विजय रस्तोगी, राजकुमार जोशी, मनोज रावत, अनुप गुप्ता, हिमांशु आर्य, माला गुरूंग, बबीता चौधरी, संगीता वर्मा, मानसी गोसाई, रेनू रावत, बबीता भण्डारी, जसबीर कपूर, उषा कपूर, मुस्कान कपूर इत्यादि उपस्थित थे।

संयमित जीवन से ही कर सकते दूसरों को अनुशासित - शिवानी

अनुभवी हमेशा वृक्ष की शीतल छाया के समान - आशा

ओ.आर.सी.-गुरूग्राम। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा स्कूल, कॉलेज एवं विश्वविद्यालयों के शिक्षकों, प्राचार्यों एवं प्रशासकों के लिए 'क्रिएटिंग गुडनेस' विषय पर स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका एवं जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा ब्र.कु. शिवानी ने बताया कि शिक्षकों पर वास्तव में बहुत बड़ी ज़िम्मेवारी है। एक शिक्षक ही देश के भविष्य को सही दिशा दे सकता है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों को भावनात्मक रूप से भी शक्तिशाली बनाने की ज़रूरत है। एक शक्तिशाली मन ही परिस्थितियों का सामना कर सकता है। उन्होंने आगे कहा कि अगर हम बच्चों को अनुशासित करना चाहते हैं, तो उसके लिए खुद में संयम बहुत ज़रूरी है।

शिक्षा जगत से जुड़े लोगों को अपने कल्याणकारी वचनों से लाभान्वित करते हुए राजयागिनी ब्र.कु. आशा दीदी तथा जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा ब्र.कु. शिवानी।

हमें स्वयं पर विश्वास होना चाहिए। दूसरे हमारे बारे में जो कुछ भी कहते हैं वो उनका अपना नज़रिया है। हम अपने बारे में बेहतर जानते हैं। उन्होंने कहा कि हमें सदैव सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना है। हम अगर दूसरों की कमज़ोरियों का चिंतन करते हैं, तो कुछ समय बाद वो हमारे चित्त का हिस्सा बन जाती है। इसलिए हमें मूल्यों को सदैव प्रोत्साहित करना है। हम सिर्फ बच्चों को किताबी शिक्षा ही नहीं सिखाते बल्कि अपने आचरण से भी बहुत कुछ सिखाते हैं।

ओ.आर.सी. की निदेशिका ब्र.कु. आशा दीदी ने अपने सम्बोधन में कहा कि श्रेष्ठ जीवन बनाने के लिए श्रेष्ठ विचार ज़रूरी है। वर्तमान समय सम्बन्धों में कटुता का मूल कारण अहंकार है। अंहकार के कारण लोग एक-दूसरे के आगे झुकने को तैयार नहीं हैं। जीवन में अगर सुख एवं शान्ति से रहना है तो हमें दूसरों की दुआएं लेना बहुत ज़रूरी है। उन्होंने कहा कि अपने बुज़ुर्गों का सम्मान करना हमारे देश की महान परम्परा रही है। बुज़ुर्ग या अनुभवी व्यक्ति उस छायादार वृक्ष के समान हैं, जिससे निरन्तर शीतल छाया प्राप्त होती है।

भिवानी से आए डॉ रूप सिंह ने कहा कि खुशनुमा जीवन बनाने के लिए हमें अपने दृष्टिकोण में बदलाव की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि खुश रहने से लाईलाज बीमारियां भी ठीक हो जाती हैं। हमारा जीवन एक संगीत है, इसमें हम जैसी थाप देंगे, वैसी ही धुन बजेगी। उन्होंने कहा कि योग ही वास्तव में मुख्य पद्धति है, बाकी सब तो वैकल्पिक पद्धतियां हैं।

ब्र.कु. ख्याति ने सभी को संस्था का परिचय देते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य को स्पष्ट किया। ब्र.कु. विधार्ती ने एक्टिीविटीज़ द्वारा आपसी सम्बन्धों का महत्व समझाया। कार्यक्रम का संचालन ब्र.कु. दिव्या ने किया। सभी को राजयोग की भी अनुभूति कराई गई। कार्यक्रम में 400 से भी अधिक शिक्षा जगत की विशेष हस्तियों ने शिरकत की।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/15-17, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2015-17, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 13th Oct 2017
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं आशीर्वाद प्रेस नोएडा द्वारा मुद्रित।